MAHAKAUSHAL UNIVERSITY, JABALPUR

As per model syllabus of U.G.C. New Delhi, drafted by Central Board of Studies and Approved by Higher Education and the Governor M.P.

SYLLABUS

कला एवं समाज विज्ञान संकाय

Faculty of Art & Social Science

Syllabus & Prescribed Books

Subject-Hindi

B.A. Semester Examination

MAHAKAUSHAL UNIVERSITY,

JABALPUR M.P.

SYLLABUS

MAHAKAUSHAL UNIVERSITY,

JABALPUR M.P.

Major

BHIN 0101 T

हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास

हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास

उददेश्य : हिन्दी भाषा और साहित्य का अध्ययन कराने का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थी के अन्दर हिन्दी भाषा और साहित्य का ज्ञान होगा, जिससे हमारी भारतीय सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनैतिक और परिस्थितियों से परिचित हो सकेंगे। कहा भी गया है कि साहित्य, समाज का दर्पण होता है।

इकाई–1 आदिकाल

हिंदी भाषा का विकास : सामान्य परिचय।

आदिकाल : काल विभाजन एवं नामकरण एवं आदिकाल की प्रवृत्तियाँ प्रमुख कवि तथा रचनाएँ। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–2 भक्तिकाल

भक्ति आंदोलन : उद्भव और विकास।

भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–3 रीतिकाल

रीतिकाल : नामकरण।

रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–4 आधुनिककाल

मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध (सक्रं मण की परिस्थितियाँ)

आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध, आलोचना तथा अन्य गद्य रूप। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–5 प्रमुख साहित्यिक वाद एवं आंदोलन

छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता, नई कहानी, समकालीन कहानी का परिचयात्मक इतिहास। **(15 व्याख्यान)**

आधार ग्रंथ–

- हिन्दी भाषा– धीरेंद्र वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद।
- हिन्दी साहित्य का इतिहास–रामचंद्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी साहित्य बीसवीं शताब्दी नदंदुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- हिन्दी साहित्य संवेदना और विकास–रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास–बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
- छायावाद–डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- कविता के नए प्रतिमान– डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

सहायक ग्रंथ–

- हिन्दी भाषा की संरचना–भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- आदिकालीन हिंदी साहित्य के अध्ययन की दिशाएँ–अनिल राय, शिवालिक प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी साहित्य का इतिहास–डॉ. नगेन्द्र, मयूर प्रकाशन, नोएडा।
- हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास–डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरियंट प्रकाशन, नई दिल्ली।

BHIN-020 T

हिन्दी कविता (मध्यकाल और आधुनिक काल)

उददेश्य : इस प्रश्नप्रत्र का उदद्ेश्य विद्यार्थियों में हिन्दी साहित्य के विभिन्न कालखण्डों के कवियों की कविता, जो तत्कालीन समाज का दस्तावेज है, उससे बखूबी परिचित हो सकेंगें। साथ ही वर्तमान समय में उनकी कविता की प्रासंगिकता का को भी समझ सकेंगे।

इकाई–1 : **कबीर–गुरूदेव को अंग** 3, 4, 11, 21, 34, सुमरिन को अंग–5, 8, 9, 28, विरह को अंग–2, 6, 11, 12,15 (श्यामसुंदर दास ग्रंथावली)

सूरदास–सूरसागर–सार, संपा.डॉ. धीरेंद्र वर्मा, साहित्य भवन, 1990 ई.

भक्ति और विनय के पद– 2, 23, 25, 39, 44

उद्धव संदेश– 65, 69, 70, 132, 135

गोस्वामी तुलसीदास–विनयपत्रिका 1, 41, 87, 88, 105,

रामचरितमानस : उत्तरकांड– 23, 61, 69, 97, 111 (ख), 130 (15 व्याख्यान)

इकाई–2 : **बिहारी – जगन्नाथ दास रत्नाकर–बिहारी रत्नाकर**

छंद संख्या–25, 38, 39, 41, 51, 62, 69, 70, 101, 121

घनानंद– घनानंद कवित्त– विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

छंद संख्या– 1, 3, 7, 11, 14, 15, 32 (15 व्याख्यान)

इकाई–3: **जयशंकर प्रसाद– बीती विभावरी जाग री! (लहर)**

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला – वर दे वीणा वादिनी।

रामधारी सिंह 'दिनकर' – आग की भीख। (15 व्याख्यान)

इकाई–4: अज्ञेय – कलगी बाजरे की

केदारनाथ अग्रवाल – बसंती हवा मुक्तिबोध – भूल गलती

भवानी प्रसाद मिश्र – श्रम की महिमा (15 व्याख्यान)

इकाई–5 : केदारनाथ सिंह – हक दो

ओमप्रकाश वाल्मीकि – युग चेतना

उदय प्रकाश – ताना बाना

सुशीला टाकभौरे – नहीं हारेगी कभी (15 व्याख्यान)

Member

आधार ग्रंथ–

- कबीर ग्रंथावली–श्यामसुन्दरदास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- सूरसागर सार– संपादक धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
- विनयपत्रिका–तुलसीदास, गीताप्रेस, गोरखपुर।
- श्रीरामचरितमानस–गोस्वामी तुलसीदास, गीताप्रेस, गोरखपुर।
- घनानंद कवित्व–विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, नागरी प्रचारिणी सभा।
- भारत भारती–साहित्य सदन झांसी, उ0प्र0।
- लहर–जयशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- राग–विराग–डॉ. रामविलास शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- प्रतिनिधि कविताएँ–अज्ञेय, केदारनाथ अग्रवाल, भवानी पस्र ाद मिश्र, केदारनाथ सिह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 3
- प्रतिनिधि कविताएँ– अरूण कमल, राजेश जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

सहायक ग्रंथ –

- कबीर–आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- त्रिवेणी– रामचंद्र शुक्ल, विश्वविद्यालय, प्रकाशन, वाराणसी।
- गोस्वामी तुलसीदास–रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- प्रसाद का काव्य– प्रेम शंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
- जयशंकर प्रसाद– नंददुलारे वाजपेयी, लोक भारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
- लोकवादी तुलसीदास– विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
- आनंदघन– रामदेव शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- सांमती काव्य का परिदृश्य और बिहारी, रामदेव शुक्ल
- समकालीन काव्य –विश्वनाथ प्रसाद तिवारी।
- आधुनिक काव्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी।

BHIN 030 1-T

हिन्दी कथा सहित्य

उददेश्य : इस प्रश्नप्रत्र के माध्यम से विद्यार्थियों में हिन्दी कथा साहित्य की प्रमुख विधा कहानी, उपन्यास के उद्भव और विकास यात्रा को जान सकेंगे तथा विभिन्न कालखण्ड के कहानीकारों की कहानियां पाठ, व्याख्या और आलोचना के माध्यम से वर्तमान समय की सामाजिक, राजनीतिक, पारिवारिक, धार्मिक, सांस्कृतिक आदि समस्याओं से अपने जीवन में एक नया आयाम ढूढ़ने सकेंगे।

इकाई–1 **हिन्दी कथा साहित्य का विकास : कहानी**

हिन्दी कहानी : विकास, प्रवृत्तियाँ और स्वरूप, विभिन्न युग और प्रमुख कहानी आन्दोलन (15 व्याख्यान)

इकाई–2 **कहानी : व्याख्या और आलोचना**

उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा गुलेरी

रोज – अज्ञेय (15 व्याख्यान)

इकाई–3 **कहानी : व्याख्या और आलोचना**

सलाम – ओम प्रकाश वाल्मीकि

पगहा जोरी जोरी रे घटो – रोज केरकट्टा

बोलने वाली औरत – ममता कालिया (15 व्याख्यान)

इकाई–4 **हिन्दी कथा साहित्य का विकासः उपन्यास**

हिन्दी उपन्यास : उद्भव, प्रवृत्तियाँ, स्वरूप (15 व्याख्यान)

इकाई–5 **उपन्यास : व्याख्या और आलोचना**

आपका बंटी : मन्नू भंडारी (15 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ–

- आपका बंटी–मन्नु भण्डारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- एक दुनिया समानान्तर–राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
- बोलने वाली औरत–ममता कालिया।
- श्रेष्ठ हिन्दी कहानियाँ–संपादक स्वयंप्रकाश।

सहायक ग्रंथ–

- प्रेमचंद और उनका युग, रामविलास शर्मा, राजकमल पक ाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा, रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नइ दिल्ली।
- कहानी : नई कहानी, नामवर सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- नई कहानी की भूमिका, कमलेश्वर, शब्दकार प्रकाशन, तुर्कमान गेट, दिल्ली।
- हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान– रामदरश मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति, देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- कुछ कहानियाँ : कुछ विचार– विश्वनाथ त्रिपाठी राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

BHIN'0401-T

अन्य गद्य विधाएं

उददेश्य : इस प्रश्नप्रत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में हिन्दी गद्य विधाओं निबन्ध, संस्मरण, जीवनी, व्यंग्य, डायरी एवं आत्मकथा का पाठ, व्याख्या, आलोचना और संदर्भ के विविध पहलूओं का बारीकी से समझते हुए व्यक्ति, समाज, और राष्ट्र के विकास में अपनी महत्त्वपूर्ण भमिको को निभाने का प्रयास करेंगे।

इकाई–1 : निबन्ध : पाठ, व्याख्या, आलोचना और संदर्भ

भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है – भारतेन्दु

श्रद्धा और भक्ति – रामचंद्र शुक्ल (15 व्याख्यान)

इकाई–2 : संस्मरण : पाठ, व्याख्या, आलोचना और संदर्भ

जंग बहादुर : संस्मरण –महादेवी वर्मा

नंगातलाई का गाँव ('नंगातलाई का गाँव' पुस्तक से) – विश्वनाथ त्रिपाठी

(15 व्याख्यान)

इकाई–3 : जीवनी एवं यात्रा वृतांत : पाठ, व्याख्या, आलोचना और संदर्भ

विष्णु प्रभाकर (जीवनी) – आवारा मसीहा (आरम्भिक प्रसंग)

सौन्दर्य की नदी नर्मदा (यात्रावृतांत) – अमृत लाल बगेड़ (15 व्याख्यान)

इकाई–4 : व्यंग्य एवं एकांकी : पाठ, व्याख्या, आलोचना और संदर्भ

सदाचार का ताबीज (व्यंग्य) – हरिशंकर परसाई

स्ट्राइक (एकांकी) – भुवनश्वेर (15 व्याख्यान)

इकाई–5 : डायरी एवं आत्मकथा : पाठ, व्याख्या, आलोचना और संदर्भ

बजांरा मन और बंदिसे – (डायरी) मधु काकरिया

जिव तरसे पिया मिलन को (कस्तूरी कुण्डल बसै : आत्मकथा अंश) – मैत्रेयी पुष्पा

(15 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ–

- भारतेन्दु ग्रथावली – प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
- चिन्तामणि भाग–1 : रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- अतीत के चलचित्र – महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- सौन्दर्य की नदी नर्मदा– अमृतलाल बेगड़, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी।
- आवारा मसीहा– विष्णु प्रभाकर, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली।
- नंगा तलाई का गाँव– विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- सदाचार का ताबीज– हरिशंकर परसाई, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- कस्तुरी कुण्डल बसै– मैत्रेयी पुष्पा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

सहायक ग्रंथ–

- हिन्दी का गद्य साहित्य– रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- हिंदी गद्य का विन्यास और विकास– रामस्चरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- निबंधों की दुनिया– विजयदेवनाराणा साही; निर्मला जैन/हरिमोहन शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
- निबंधों की दुनिया– शिवपूजन सहाय; निर्मला जैन/अनिल राय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम संस्करण 2007
- छायावादोत्तर गद्य साहित्य– विश्वनाथप्रसाद तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

BHIN'0501- T

सहित्य शास्त्र और हिन्दी आलोचना

इकाई – 1 भारतीय काव्य शास्त्र

काव्य प्रयोजन

काव्य लक्षण

काव्य हेतु

काव्य का स्वरूप

इकाई – 2 भारतीय काव्य सिद्धांत

अलंकार सिद्धांत

रीति सिद्धांत

रस सिद्धांत

ध्वनि सिद्धांत

वक्रोक्ति सिद्धांत

औचित्य सिद्धांत

इकाई – 3 सहित्यशास्त्रीय अवधारणाएँ

काव्य रूप

काव्य गुण

काव्य दोष

शब्द शक्ति

इकाई – 4 नाट्यशास्त्र :

भारतीय नाट्यशास्त्र का सामान्य परिचय

वृत्ति

अभिनय

रूपक

कथा

नेता या नायक

नायिका

रंगमंच के प्रकार

रंगमंचीय विशेषताएं

इकाई – 5 हिन्दी आलोचना का इतिहास तथा सैद्धांतिकी : सामान्य परिचय

हिन्दी आलोचना का विकास

सैद्धांतिक आलोचना

स्वछन्दतावादी आलोचना

मार्क्सवादी आलोचना

मनोविशलेषणवादी आलोचना

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. शर्मा, देवेन्द्र नाथ, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा, 2002
2. जैन, निर्मला, पाश्चात्य साहित्य चिन्तन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1990
3. सिंह, बच्चन, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़. 1987
4. मिश्र, भगीरथ, पाश्चात्य काव्यशात्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1988
5. मिश्र, भगीरथ, काव्यशात्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,
6. त्रिपाठी, विश्वनाथ, हिंदी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1992
7. तिवारी, डॉ. रामचन्द्र, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, तृतीय संस्करण, 2010
8. काव्यतत्व विमर्श
9. सिद्धांत और अध्ययन – बाबू गुलाबराय
10. साहित्य–सिद्धांत – रामअवध द्विवेदी
11. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका डा०० नगेन्द्र
12. रससिद्धांतः स्वरूप और विश्लेषण – आनंदप्रकाश दीक्षित
13. रस सिद्धांत – डा० नगेन्द्र
14. साहित्य का स्वरूप –नित्यानंद तिवारी
15. साहित्य सहचर –आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
16. राष्ट्रीय गौरव एवं भारतीय संस्कृति प्रकाशक –चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ3
17. प्रसाद के नाटकः स्वरूप और संरचना –गोविंद चातक
18. हिंदी के प्रतिनिधि एकांकीकार – डा0 द्वारिका प्रसाद सक्सेना
19. हिंदी एकांकी: समग्र अध्ययन डा0 अब्दुर्रशीद ए० शेख
20. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच –लक्ष्मीनारायण लाल
21. नाट्य विमर्श नर नारायण राय

Member Board of Studies MKU, Madurai

हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य

इकाई – 1 वीरगाथा काल का राष्ट्रीय काव्य :

चंदबरदाई : पृथ्वीराज रासो के रेवा तट समय के अंश (चढ़त राज पृथिराज,

जगनिक : आल्ह खण्ड नैनागढ़ की लड़ाई अथवा आल्हा का विवाह खण्ड (प्रथम पांच सुमिरन अंश (गया न कीन्हीं जिन कलजुग मां ––––भयानक मार) अंतिम पांच अंश (भोर भुरहरे–– लड़िहैं खूब बीर मलखान)

इकाई –2 भक्ति एवं रीतिकाल का राष्ट्रीय काव्य :

गुरु गोविन्द सिंह : देहु शिवा वर मोहि इहे, बाण चले तेई कुंकुम मानो,
यों सुनि के बतियान तिह की

भूषण : इन्द्र जिमि जम्भ पर, बाने फहराने, निज म्यान तें मयूखें, दारुन दहत हरनाकुस बिदारिवे कों

इकाई – 3 भारतेंदु एवं द्विवेदीयुगीन राष्ट्रीय काव्य :

भारतेंदु हरिश्चंद्र :उन्नतचितहवैआर्य परस्पर प्रीत बढ़ावें, बल कलाकौशल अमित विद्या वत्स भरे मिल लहै, भीतर भीतर सब रस चूसै, सब गुरुजन को बुरो बतावै

अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' : कर्मवीर, जन्मभूमि

मैथिलीशरण गुप्त :आर्य, मातृभूमि

इकाई – 4 छायावाद युगीन राष्ट्रीय काव्य :

जयशंकर प्रसाद :प्रयाण गीत (हिमाद्रि तुंग श्रृंग), अरुण यह मधुमय देश हमारा

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : भारती वंदना (भारतिजय विजय करे), जागो फिर एक बार

माखनलाल चतुर्वेदी : पुष्प की अभिलाषा, जवानी

सुभद्रा कुमारी चौहान : वीरों का कैसा हो वसंत, झाँसी की रानी

बालकृष्ण शर्मा नवीन : कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ, कोटि कोटि कंठों मे निकली आज यही स्वर धारा है

रामधारी सिंह 'दिनकर': शहीद स्तवन (कलम आज उनकी जय बोल), हिमालय

श्यामलाल गुप्त 'पार्षद':झंडा गीत (विजयी विश्व तिरंगा प्यारा)

इकाई – 5 समकालीन राष्ट्रीय काव्य प्रथम चरण :

श्यामनारायण पाण्डेय : चेतक की वीरता, राणा प्रताप की तलवार

द्वारिकाप्रसाद माहेश्वरी : उठो धरा के अमर सपूतों, वीर तुम बढ़े चलो

गोपालप्रसाद व्यास : खूनी हस्ताक्षर, शहीदों में तू नाम लिखा ले रे

सोहनलाल द्विवेदी : मातृभूमि, तुम्हें नमन, (चल पड़े जिधर दो डग मग में)

अटलबिहारी वाजपेयी : कदम मिलाकर चलना होगा, उनकी याद करें

डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक': मातृ वंदना, हम भारतवासी

22. भारतीय नाट्य रंगमंच —आचार्य विश्वनाथ मिश्र
23. हिंदी नाटकः आज और कल —वीणा गौतम
24. भारतीय और पाश्चात्य नाट्य सिद्धांत — डा0 विश्वनाथ मिश्र
25. गीति नाट्य सिद्धांत और समीक्षा — डा० शिवशंकर कटारे
26. नाटक का रंग विधान — डा0 विश्वनाथ मिश्र
27. हिंदी नाटक आज और कल —जयदेव तनेजा
28. राष्ट्रीय नवजागरण और प्रसाद के नाटक — डा० इंदुमति सिंह
29. नाटक का समाजशास्त्र —बी०डी० गुप्ता
30. हिंदी नाटक में समसामयिक परिवेश — विपिन गुप्त
31. हिंदी नाटक नई दिशाएं नए प्रश्न — गिरीश रस्तोगी
32. नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान — डा० वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी
33. रस सिद्धांत — रामअवध द्विवेदी
34. रस मीमांसा — रामचन्द्र शुक्ल
35. रस सिद्धांत — डा०० नगेन्द्र
36. काव्यशास्त्र — भगीरथ मिश्र
37. काव्य दर्पण — रामदहिन मिश्र
38. साहित्य संचार हजारी प्रसाद द्विवेदी — हजारी प्रसाद द्विवेदी

BHIN 0701-T **भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि**

इकाई – 1 भाषा एवं भाषाविज्ञान का सामान्य परिचय :
भाषा : परिभाषा, स्वरूप, अभिलक्षण
भाविज्ञान : परिभाषा, प्रकार, क्षेत्र, शाखाएँ

इकाई –2 भाषिक संरचना तथा स्तर :
ध्वनि
शब्द
रूप
वाक्य
प्रोक्ति
अर्थ

इकाई – 3 हिन्दी भाषा की उत्पत्ति तथा विकास :
पृष्ठभूमि
अपभ्रंश
अवहट्ट
पुरानी हिन्दी
हिंन्दुस्तानी
मानक हिन्दी

इकाई – 4 हिन्दी शब्द सम्पदा और उसके मूल स्त्रोत एवं वैधानिक तथा संवैधानिक स्थिति :
हिन्दी ध्वनियों कावर्गीकरण आधार – बाह्य प्रयत्र, आभ्यंतर प्रयत्र, उच्चारण, स्थान, प्राणत्व और अनुनासिकता
राजभाषा आयोग
राजभाषा अधिनियम तथा उनका विश्लेषण
संवैधानिक प्रावधान तथा उनका विश्लेषण

इकाई – 5 देवनागरी लिपि :
नामकरण
उद्भव और विकास
विशेषताएं
वैज्ञानिकता
समस्या
सुधार

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. विवारी, उदयनारायण, वीर काव्य, भारती भण्डार, प्रयाग, प्रथम संस्करण, संवत 2005वि.
2. चंदबरदाई, पृथ्वीराज रासो, मोहनलान विष्णुलाल पंड्या और श्याम सुन्दर दास, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी, प्रथम संस्करण, सन 1906.
3. सिंह, शांता, चंदबरदाई, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन 2017
4. कुमुद, अयोध्याप्रसाद गुप्त, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन 2014
5. आल्हखण्ड, ई पुस्तकालय डॉट कॉम
6. श्यामसुंदरदास (संपा.), परमाल रासो, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी, प्रथम संस्करण
7. सिंह, डॉ. महीष, गुरु गोविन्द सिंह और उनका काव्य, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नवी दिल्ली, सन 1969, प्रथम संस्करण
8. बोरा, राजमल, भूषण, साहित्य अकादेमी, नवी दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन 2017
9. मिश्र, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद, वाणी वितान, वाराणसी, संवत 2010 वि.
10. ब्रजरव दास, भारतेंदु ग्रंथावली, वाराणसी
11. बिरीश, गिरिजदत्त शुक्ल, महाकवि हरिऔध, अरुणोदय पब्लिशिंग हाउस, प्रयाग, सन 1932
12. पालीवाल, डॉ. कृष्णदत्त, मैथिलीशरण गुप्त ग्रंथावली, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, सन 2008
13. व्यास, विनोद शंकर (संपा.), प्रसाद और उनका साहित्य, विद्या भास्कर बुक डिपो, वाराणसी
14. वाजपेयी, नंददुलारे, जयशंकर प्रसाद, लीडर प्रेस, इलाहाबाद
15. अरुण, डॉ. योगेन्द्रनाथ शर्मा एवं कन्डियाल बेचैन, हिमवंत का राष्ट्रीय कवि 'नितंक', अनंग प्रकाशन दिल्ली, 2020
16. 'निशंक' रमेश पोखरियाल युग पुरुष भारत रख अटल जी, डायमंड बुक्स, न्यू दिल्ली
17. सविता मोहन – राष्ट्रीय काव्यधारा के कवि निशंक, सत्यम पब्लिशिंग हाउस, न्यू दिल्ली
18. kavitakosh-org
19. epustakalay-com
20. ndl-iitkgp-ac-in (National digital library of India)
21. hindigeetmala.net

BHIN 0801–T लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति

इकाई –1 लोक साहित्य का सामान्य परिचय एवं शिष्ट साहित्य

लोक साहित्य : परिभाषा, क्षेत्र, वर्गीकरण

लाक साहित्य और शिष्ट साहित्य का पारस्परिक संबंध

इकाई – 2 लोक साहित्य, लाक संस्कृति एवं राष्ट्रीय एकता : संकलन, सरक्षण एवं संचर्धन :

लोक सहित्य में लोक संस्कृति का चित्रण, लोक संस्कृति और राष्ट्रीय एकता

लोक साहित्य संकलन, संरक्षण एवं संवर्द्धन, राष्ट्रीय जीवन में लोक साहित्य का महत्व

इकाई – 3 लोक साहित्य की विविध विधाएँ एवं प्रकीर्ण साहित्य :

लोक गीत, लोक गाथा, लोक कथा, लोक नाट्य, लोक नृत्य एवं लोक संगीत

लोकोक्तिया, मुंहावरे एवं पहेलियाँ–परंपरा एवं महत्व

इकाई – 4 हिन्दी साहित्य का विकास क्रम :

हिन्दी का लोक साहित्य इतिहास : अध्ययन की सीमाएँ एवं आवश्यकताएँ, हिन्दी का लोक साहित्य और बोलियाँ

इकाई – 5 कौरवी

लोक साहित्य के प्रमुख रचनाकार रचनाएं एवं कौरवी लोक साहित्य की विशेषताए

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. प्रसाद, डॉ. दिनेश्वर, लोक साहित्य और संस्कृति, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 1973
2. शर्मा, डॉ. श्रीराम, लोक साहित्य सिद्धांत और प्रयोग, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 1973
3. सक्सेना, डॉ. उषा, लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति, राजभाषा प्रकाशन, दिल्ली, 2007
4. उपाध्याय, कृष्णदेव, लोक साहित्य की भूमिका, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, प्रयागराज, 1957
5. सुमन, रामनाथ, संपादक, सम्मेलन पत्रिका, लोक संस्कृति विशेषांक, प्रयागराज, संवत 2010
6. मिश्र, प्रो. चितरंजन एवं ओझा, दुर्गाप्रसाद, समकालीन हिंदी एवं अवधी कविता, प्रकाशन केंद्र, लखनऊ, 2019
7. मिश्र, डॉ. श्रीधर, भोजपुरी लोक साहित्यः सांस्कृतिक अध्ययन, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज, 1971
8. यादव, डॉ वीरेंद्र सिंह, भारत का लोक सांस्कृतिक विमर्श, कौटिल्य बुक्स, नई दिल्ली, 2018
9. बिसारिया, डॉ. पुनीत एवं यादव, डॉ. वीरेंद्र सिंह, भोजपुरी विमर्श, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2009
10. डॉ. सत्येंद्र, लोक साहित्य विज्ञान, शिवलाल अग्रवाल कंपनी, आगरा, 1971
11. बिसारिया, डॉ.पुनीत, बुन्देली महिमा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2017
12. बिसारिया, डॉ. पुनीत, बुन्देली काव्य धारा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2019

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. शर्माआचार्यदेवेन्द्रनाथ, भाषाविज्ञानकीभूमिका, राधाकृष्णप्रकाशन, दरियागंजनयी दिल्ली, 1972
2. द्विवेदीकपिलदेव, भाषा–विज्ञानएवंभाषा–शास्त्रविश्वविद्यालयप्रकाशन, वाराणसी, 1980
3. शर्माडॉ. रामकिशोर, हिंदीभाषाकाऐतिहासिकपरिप्रेक्ष्य, विद्याप्रकाशन, इलाहाबाद, 1994
4. तिवारीभोलानाथ, हिंदीभाषाकाइतिहास, वाणीप्रकाशन, नईदिल्ली, 1987
5. त्रिपाठीसत्यनारायण, हिंदी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1981
6. शर्माराजमणि, हिंदीभाषाः इतिहासएवंस्वरूप, वाणी प्रकाशन, नईदिल्ली, 2014
7. तिवारीभोलानाथ, भाषाविज्ञान, किताबमहल, इलाहाबाद, 1999
8. वर्माडॉ.धीरेन्द्र, हिंदी भाषा औरलिपि, हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयाग, 1951
9. बाहरीहरदेव., हिंदीभाषा, अभिव्यक्तिप्रकाशन, दिल्ली, 2017
10. बाहरीहरदेव, हिंदीउद्‌भव, विकासऔररुप, किताबमहल, इलाहाबाद, 42वाँसंस्करण, 2018
11. हिंदी भाषा – कैलाष चंद्र भाटिया
12. भाषा विवेचन – भगीरथ मिश्र
13. हिंदी का व्यवाहरिक व्याकरण – हरदेव बाहरी
14. हिंदी व्याकरण –कामता प्रसाद गुरू
15. हिंदी भाषा – डा०० भोलानाथ तिवारी
16. हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास –उदयनारायण तिवारी
17. हिंदी भाषा की लिपि संरचना –डा० भोलानाथ तिवारी
18. देवनागरी लेखन तथा हिंदी वर्तनी व्यवस्था – लक्ष्मी नारायण
19. हिंदी भाषा की वाक्य संरचना –डॉ० भोलानाथ तिवारी
20. हिंदी भाषा की आर्थी संरचना –डॉ० भोलानाथ तिवारी
21. भाषा विज्ञान –प्रो नरेश मिश्र
22. हिंदी भाषा में वर्तनी एवं उच्चारण संबंधी त्रुटियां एवं उपचार –भंवर लाल नागदा
23. हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम –रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
24. हिंदी शब्द समूह का विकास – डा0 नरेश मिश्र
25. हिंदी भाषा के अक्षर तथा शब्द की सीमा – डा0 कैलाश चंद्र भाटिया
26. हिंदी और उसकी उपभाषाएँ – विमलेश कांति वर्मा
27. लिपि की कहानी –गुणाकर भूले
28. भाषा और समाज – रामविलास शर्मा

Board of Studies
MKU
Member
Board of S
MKU

Minor

BHIN 0802-T

लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति

इकाई –1 लोक साहित्य का सामान्य परिचय एवं शिष्ट साहित्य

लोक साहित्य : परिभाषा, क्षेत्र, वर्गीकरण

लाक साहित्य और शिष्ट साहित्य का पारस्परिक संबंध

इकाई – 2 लोक साहित्य, लाक संस्कृति एवं राष्ट्रीय एकता : संकलन, सरक्षण एवं संचर्धन :

लोक सहित्य में लोक संस्कृति का चित्रण, लोक संस्कृति और राष्ट्रीय एकता

लोक साहित्य संकलन, संरक्षण एवं संवर्द्धन, राष्ट्रीय जीवन में लोक साहित्य का महत्व

इकाई – 3 लोक साहित्य की विविध विधाएँ एवं प्रकीर्ण साहित्य :

लोक गीत, लोक गाथा, लोक कथा, लोक नाट्य, लोक नृत्य एवं लोक संगीत

लोकोक्तिया, मुंहावरे एवं पहेलियाँ–परंपरा एवं महत्व

इकाई – 4 हिन्दी साहित्य का विकास क्रम :

हिन्दी का लोक साहित्य इतिहास : अध्ययन की सीमाएँ एवं आवश्यकताएँ, हिन्दी का लोक साहित्य और बोलियाँ

इकाई – 5 कौरवी

लोक साहित्य के प्रमुख रचनाकार रचनाएं एवं कौरवी लोक साहित्य की विशेषताए

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. प्रसाद, डॉ. दिनेश्वर, लोक साहित्य और संस्कृति, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 1973
2. शर्मा, डॉ. श्रीराम, लोक साहित्य सिद्धांत और प्रयोग, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 1973
3. सक्सेना, डॉ. उषा, लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति, राजभाषा प्रकाशन, दिल्ली, 2007
4. उपाध्याय, कृष्णदेव, लोक साहित्य की भूमिका, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, प्रयागराज, 1957
5. सुमन, रामनाथ, संपादक, सम्मेलन पत्रिका, लोक संस्कृति विशेषांक, प्रयागराज, संवत 2010
6. मिश्र, प्रो. चितरंजन एवं ओझा, दुर्गाप्रसाद, समकालीन हिंदी एवं अवधी कविता, प्रकाशन केंद्र, लखनऊ, 2019
7. मिश्र, डॉ. श्रीधर, भोजपुरी लोक साहित्यः सांस्कृतिक अध्ययन, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज, 1971
8. यादव, डॉ वीरेंद्र सिंह, भारत का लोक सांस्कृतिक विमर्श, कौटिल्य बुक्स, नई दिल्ली, 2018
9. बिसारिया, डॉ. पुनीत एवं यादव, डॉ. वीरेंद्र सिंह, भोजपुरी विमर्श, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2009
10. डॉ. सत्येंद्र, लोक साहित्य विज्ञान, शिवलाल अग्रवाल कंपनी, आगरा, 1971
11. बिसारिया, डॉ.पुनीत, बुन्देली महिमा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2017
12. बिसारिया, डॉ. पुनीत, बुन्देली काव्य धारा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2019

BHIN 0102-T

हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास

हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास

उददेश्य : हिन्दी भाषा और साहित्य का अध्ययन कराने का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थी के अन्दर हिन्दी भाषा और साहित्य का ज्ञान होगा, जिससे हमारी भारतीय सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनैतिक और परिस्थितियों से परिचित हो सकेंगे। कहा भी गया है कि साहित्य, समाज का दर्पण होता है।

इकाई–1 आदिकाल

हिंदी भाषा का विकास : सामान्य परिचय।

आदिकाल : काल विभाजन एवं नामकरण एवं आदिकाल की प्रवृत्तियाँ प्रमुख कवि तथा रचनाएँ। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–2 भक्तिकाल

भक्ति आंदोलन : उद्भव और विकास।

भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–3 रीतिकाल

रीतिकाल : नामकरण।

रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–4 आधुनिककाल

मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध (सक्रं मण की परिस्थितियाँ)

आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध, आलोचना तथा अन्य गद्य रूप। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–5 प्रमुख साहित्यिक वाद एवं आंदोलन

छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता, नई कहानी, समकालीन कहानी का परिचयात्मक इतिहास। **(15 व्याख्यान)**

भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि

इकाई – 1 भाषा एवं भाषाविज्ञान का सामान्य परिचय :

भाषा : परिभाषा, स्वरूप, अभिलक्षण

भाविज्ञान : परिभाषा, प्रकार, क्षेत्र, शाखाएँ

इकाई –2 भाषिक संरचना तथा स्तर :

ध्वनि

शब्द

रूप

वाक्य

प्रोक्ति

अर्थ

इकाई – 3 हिन्दी भाषा की उत्पत्ति तथा विकास :

पृष्ठभूमि

अपभ्रंश

अवहट्ट

पुरानी हिन्दी

हिंन्दुस्तानी

मानक हिन्दी

इकाई – 4 हिन्दी शब्द सम्पदा और उसके मूल स्त्रोत एवं वैधानिक तथा संवैधानिक स्थिति :

हिन्दी ध्वनियों कावर्गीकरण आधार – बाह्य प्रयत्र, आभ्यंतर प्रयत्र, उच्चारण, स्थान, प्राणत्व और अनुनासिकता

राजभाषा आयोग

राजभाषा अधिनियम तथा उनका विश्लेषण

संवैधानिक प्रावधान तथा उनका विश्लेषण

इकाई – 5 देवनागरी लिपि :

नामकरण

उद्भव और विकास

विशेषताएं

वैज्ञानिकता

समस्या

सुधार

BHIN 0602-T

हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य

इकाई – 1 वीरगाथा काल का राष्ट्रीय काव्य :

चंदबरदाई : पृथ्वीराज रासो के रेवा तट समय के अंश (चढ़त राज पृथिराज,

जगनिक : आल्ह खण्ड नैनागढ़ की लड़ाई अथवा आल्हा का विवाह खण्ड (प्रथम पांच सुमिरन अंश (गया न कीन्हीं जिन कलजुग मां –––––भयानक मार) अंतिम पांच अंश (भोर भुरहरे–– लड़िहैं खूब बीर मलखान)

इकाई –2 भक्ति एवं रीतिकाल का राष्ट्रीय काव्य :

गुरु गोविन्द सिंह : देहु शिवा वर मोहि इहे, बाण चले तेई कुंकुम मानो, यों सुनि के बतियान तिह की

भूषण : इन्द्र जिमि जम्भ पर, बाने फहराने, निज म्यान तें मयूखें, दारुन दहत हरनाकुस बिदारिवे कों

इकाई – 3 भारतेंदु एवं द्विवेदीयुगीन राष्ट्रीय काव्य :

भारतेंदु हरिश्चंद्र :उन्नतचितहवैआर्य परस्पर प्रीत बढ़ावें, बल कलाकौशल अमित विद्या वत्स भरे मिल लहै, भीतर भीतर सब रस चूसै, सब गुरुजन को बुरो बतावै

अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' : कर्मवीर, जन्मभूमि

मैथिलीशरण गुप्त :आर्य, मातृभूमि

इकाई – 4 छायावाद युगीन राष्ट्रीय काव्य :

जयशंकर प्रसाद :प्रयाण गीत (हिमाद्रि तुंग श्रृंग), अरुण यह मधुमय देश हमारा

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : भारती वंदना (भारतिजय विजय करे), जागो फिर एक बार

माखनलाल चतुर्वेदी : पुष्प की अभिलाषा, जवानी

सुभद्रा कुमारी चौहान : वीरों का कैसा हो वसंत, झाँसी की रानी

बालकृष्ण शर्मा नवीन : कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ, कोटि कोटि कंठों मे निकली आज यही स्वर धारा है

रामधारी सिंह 'दिनकर': शहीद स्तवन (कलम आज उनकी जय बोल), हिमालय

श्यामलाल गुप्त 'पार्षद':झंडा गीत (विजयी विश्व तिरंगा प्यारा)

इकाई – 5 समकालीन राष्ट्रीय काव्य प्रथम चरण :

श्यामनारायण पाण्डेय : चेतक की वीरता, राणा प्रताप की तलवार

द्वारिकाप्रसाद माहेश्वरी : उठो धरा के अमर सपूतों, वीर तुम बढ़े चलो

गोपालप्रसाद व्यास : खूनी हस्ताक्षर, शहीदों में तू नाम लिखा ले रे

सोहनलाल द्विवेदी : मातृभूमि, तुम्हें नमन (चल पड़े जिधर दो डग मग में)

अटलबिहारी वाजपेयी : कदम मिलाकर चलना होगा, उनकी याद करें

डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक': मातृ वंदना, हम भारतवासी

सहित्य शास्त्र और हिन्दी आलोचना

इकाई – 1 भारतीय काव्य शास्त्र

काव्य प्रयोजन

काव्य लक्षण

काव्य हेतु

काव्य का स्वरूप

इकाई – 2 भारतीय काव्य सिद्धांत

अलंकार सिद्धांत

रीति सिद्धांत

रस सिद्धांत

ध्वनि सिद्धांत

वक्रोक्ति सिद्धांत

औचित्य सिद्धांत

इकाई – 3 सहित्यशास्त्रीय अवधारणाएँ

काव्य रूप

काव्य गुण

काव्य दोष

शब्द शक्ति

इकाई – 4 नाट्यशास्त्र :

भारतीय नाट्यशास्त्र का सामान्य परिचय

वृत्ति

अभिनय

रूपक

कथा

नेता या नायक

नायिका

रंगमंच के प्रकार

रंगमंचीय विशेषताएं

3HIN 0402-T

अन्य गद्य विधाएं

उददेश्य : इस प्रश्नप्रत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में हिन्दी गद्य विधाओं निबन्ध, संस्मरण, जीवनी, व्यंग्य, डायरी एवं आत्मकथा का पाठ, व्याख्या, आलोचना और संदर्भ के विविध पहलूओं का बारीकी से समझते हुए व्यक्ति, समाज, और राष्ट्र के विकास में अपनी महत्त्वपूर्ण भमिको को निभाने का प्रयास करेंगे।

इकाई–1 : **निबन्ध : पाठ, व्याख्या, आलोचना और संदर्भ**

भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है – भारतेन्दु

श्रद्धा और भक्ति – रामचंद्र शुक्ल (15 व्याख्यान)

इकाई–2 : **संस्मरण : पाठ, व्याख्या, आलोचना और संदर्भ**

जंग बहादुर : संस्मरण –महादेवी वर्मा

नंगातलाई का गाँव ('नंगातलाई का गाँव' पुस्तक से) – विश्वनाथ त्रिपाठी

(15 व्याख्यान)

इकाई–3 : **जीवनी एवं यात्रा वृतांत : पाठ, व्याख्या, आलोचना और संदर्भ**

विष्णु प्रभाकर (जीवनी) – आवारा मसीहा (आरम्भिक प्रसंग)

सौन्दर्य की नदी नर्मदा (यात्रावृतांत) – अमृत लाल बगेड़ (15 व्याख्यान)

इकाई–4 : **व्यंग्य एवं एकांकी : पाठ, व्याख्या, आलोचना और संदर्भ**

सदाचार का ताबीज (व्यंग्य) – हरिशंकर परसाई

स्ट्राइक (एकांकी) – भुवनश्वेर (15 व्याख्यान)

इकाई–5 : **डायरी एवं आत्मकथा : पाठ, व्याख्या, आलोचना और संदर्भ**

बजांरा मन और बदिसे – (डायरी) मधु काकरिया

जिव तरसे पिया मिलन को (कस्तूरी कुण्डल बसै : आत्मकथा अंश) – मैत्रेयी पुष्पा

(15 व्याख्यान)

BHIN 0302-T

हिन्दी कथा सहित्य

उददेश्य : इस प्रश्नप्रत्र के माध्यम से विद्यार्थियों में हिन्दी कथा साहित्य की प्रमुख विधा कहानी, उपन्यास के उद्भव और विकास यात्रा को जान सकेंगे तथा विभिन्न कालखण्ड के कहानीकारों की कहानियां पाठ, व्याख्या और आलोचना के माध्यम से वर्तमान समय की सामाजिक, राजनीतिक, पारिवारिक, धार्मिक, सांस्कृतिक आदि समस्याओं से अपने जीवन में एक नया आयाम ढूढ़ने सकेंगे।

इकाई–1 हिन्दी कथा साहित्य का विकास : कहानी

हिन्दी कहानी : विकास, प्रवृत्तियाँ और स्वरूप, विभिन्न युग और प्रमुख कहानी आन्दोलन (15 व्याख्यान)

इकाई–2 कहानी : व्याख्या और आलोचना

उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा गुलेरी

रोज – अज्ञेय (15 व्याख्यान)

इकाई–3 कहानी : व्याख्या और आलोचना

सलाम – ओम प्रकाश वाल्मीकि

पगहा जोरी जोरी रे घटो – रोज केरकट्टा

बोलने वाली औरत – ममता कालिया (15 व्याख्यान)

इकाई–4 हिन्दी कथा साहित्य का विकासः उपन्यास

हिन्दी उपन्यास : उद्भव, प्रवृत्तियाँ, स्वरूप (15 व्याख्यान)

इकाई–5 उपन्यास : व्याख्या और आलोचना

आपका बंटी : मन्नू भंडारी (15 व्याख्यान)

BHIN 0202 T

हिन्दी कविता (मध्यकाल और आधुनिक काल)

उददेश्य : इस प्रश्नप्रत्र का उदद्ेश्य विद्यार्थियों में हिन्दी साहित्य के विभिन्न कालखण्डों के कवियों की कविता, जो तत्कालीन समाज का दस्तावेज है, उससे बखूबी परिचित हो सकेंगें। साथ ही वर्तमान समय में उनकी कविता की प्रासंगिकता का को भी समझ सकेंगे।

इकाई–1 : **कबीर–गुरूदेव को अंग** 3, 4, 11, 21, 34, सुमरिन को अंग–5, 8, 9, 28, विरह को अंग–2, 6, 11, 12,15 (श्यामसुंदर दास ग्रंथावली)

सूरदास–सूरसागर–सार, संपा.डॉ. धीरेंद्र वर्मा, साहित्य भवन, 1990 ई.

भक्ति और विनय के पद– 2, 23, 25, 39, 44

उद्धव संदेश– 65, 69, 70, 132, 135

गोस्वामी तुलसीदास–विनयपत्रिका 1, 41, 87, 88, 105,

रामचरितमानस : उत्तरकांड– 23, 61, 69, 97, 111 (ख), 130 (15 व्याख्यान)

इकाई–2 : **बिहारी – जगन्नाथ दास रत्नाकर–बिहारी रत्नाकर**

छंद संख्या–25, 38, 39, 41, 51, 62, 69, 70, 101, 121

घनानंद– घनानंद कवित्त– विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

छंद संख्या– 1, 3, 7, 11, 14, 15, 32 (15 व्याख्यान)

इकाई–3: **जयशंकर प्रसाद– बीती विभावरी जाग री! (लहर)**

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला – वर दे वीणा वादिनी।

रामधारी सिंह 'दिनकर' – आग की भीख। (15 व्याख्यान)

इकाई–4: अज्ञेय – कलगी बाजरे की

केदारनाथ अग्रवाल – बसंती हवा मुक्तिबोध – भूल गलती

भवानी प्रसाद मिश्र – श्रम की महिमा (15 व्याख्यान)

इकाई–5 : केदारनाथ सिंह – हक दो

ओमप्रकाश वाल्मीकि – युग चेतना

उदय प्रकाश – ताना बाना

सुशीला टाकभौरे – नहीं हारेगी कभी (15 व्याख्यान)

SKILL

BASED

स्किल बेस्ड

BHINO101SB-T

हिन्दी भाषा का व्यवहारिक व्याकरण

उददेश्य : इस प्रश्नपत्र के द्वारा विद्यार्थियों में भाषा और व्याकरण सम्बन्धित सम्यक ज्ञान का विकास हो सकेगा, जिससे उससे अभिव्यक्ति में अशुद्धि न होने की संभावना होगी। इससे उनका लेखन कार्य शुद्ध, स्पष्ट, शैलीपूर्ण, आकर्षक और रूचीकर होगी।

इकाई : 1 भाषा और व्याकरण :

भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएं, व्याकरण कीपरिभाषा, महत्व भाषा और व्याकरण का अन्तः संबंध

(15 व्याख्यान)

इकाई : 2 हिन्दी वर्णमाला, देवनागरी लिपि और शब्द सम्पदा

शब्दों के भेद–तत्सम्, तद्भव, देशज, विदेशी (स्रोत के आधार पर) एवं उपसर्ग, प्रत्यय एव शब्द और पद में अन्तर और अशुद्वियां (15 व्याख्यान)

इकाई : 3 व्याकरण व्यवहार :

व्याकरणिक श्रेणियाँ (संज्ञा,सर्वनाम,क्रिया, विशेषण और क्रिया विशेषण और लिंग, वचन, कारक आदि) (15 व्याख्यान)

इकाई : 4 शब्द निर्माण–

सधि, समास, मुहावरे लोकोक्तियां और पारिभाषिक शब्दावली।

(15 व्याख्यान)

इकाई : 5 हिन्दी वाक्य परिचय :

कर्त्ता कर्म, वाक्य के अंग–उद्देश्य और विधेय, वाक्य के भेद। वाक्यगत अशुद्वियां एवं विराम चिन्ह।

(15 व्याख्यान)

13. उपाध्याय, कृष्णदेव, भोजपुरी लोक का अध्ययन, हिंदी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी, 1949
14. सत्येन्द्र, ब्रज की लोक कहानियां, ब्रज साहित्य मंडल, मथुरा
15. सत्येन्द्र, ब्रज लोक साहित्य का अध्ययन, साहित्य रत्न भंडार, आगरा
16. हिंदी प्रदेश के लोक गीत कृष्ण देव उपाध्याय
17. हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य शंकर लाल यादव
18. मालवी लोक साहित्य का अध्ययन – श्याम परमार
19. वाचिक कविता भोजपुरी – पं० विद्या निवास मिश्र
20. भारतीय लोक साहित्य – परम्परा और परिदृश्य विद्या सिंहा
21. लखमीचन्द का काव्य वैभव – हरिश्चन्द्र बंधु
22. चीनी लोक कथाएँ– अनिल राय
23. हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन – हरियाणा साहित्य अकादमी
24. कविता कौमुदी दृ ग्रामगीत
25. हिंदी लोक साहित्य – सां॰ राहुल सांस्कृत्यायन
26. कौरवी लोक साहित्य – डा० नवीन चन्द्र लोहनी
27. खड़ी बोली का लोक साहित्य – डा० सत्य गुप्त
28. कौरवी लोक संस्कृति – डा० कविता त्यागी
29. कौरवी शब्द कोश – डा० कृष्ण चन्द्र शर्मा एवं अन्य
30. लोक साहित्य विज्ञान – डा० सत्येन्द्र

हिन्दी भाषा एवं लिपि का इतिहास

BHINO102SB-T

उद्देश्य : इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थियों भाषा की अवधारणा, स्वरूप, उपभाषाएं, लिपि और इतिहास के विकास का ज्ञान प्राप्त हो सकेगा। इसके साथ ही अपनी भारतीय ऐतिहासिक लेखन पद्धति तथा पांडूलिपियों की समझ विकसित होगी एवं सूचना प्रौद्योगिकी, अनुवाद, हिन्दी शिक्षक तथा प्रवासी साहित्य का भी समुचित बोध प्राप्त होगा।

इकाई : 1 भाषा की अवधारणा एवं स्वरूप :

भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएं, भाषा का मानक स्वरूप हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास, भाषा और बोली, (15 व्याख्यान)

इकाई : 2 हिन्दी की उपभाषाएं :

पश्चिमी हिन्दी, पर्वी हिन्दी, राजस्थानी हिन्दी, बिहारी हिन्दी, पहाड़ी हिन्दी व उनकी बोलियाँ एवं विशेषताएँ। (15 व्याख्यान)

इकाई : 3 भाषा के विविध रूप :

सचांर भाषा, संपर्क भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, भाषा की संवैधानिक स्थिति। (15 व्याख्यान)

इकाई : 4 लिपि का इतिहास :

लिपि का प्रारम्भ, लिपि विकास के चरण, भारतीय लिपियाँ–खरोष्ठी लिपि, ब्राह्मी लिपि और देवनागरी लिपि। (15 व्याख्यान)

इकाई : 5 हिन्दी का भविष्य :

सचूना प्रौद्योगिकी, वैश्विक परिदृश्य, विदेशो में हिन्दी शिक्षण, अनुवाद, हिन्दी का प्रवासी साहित्य (15 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ–

- भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी, किताब घर, नई दिल्ली।
- हिन्दी शब्दानुशासन : किशोरी दास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
- हिन्दी व्याकरण, कामता प्रसाद गुरू, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
- आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना–वासुदेवशरण अग्रवाल,

सहायक ग्रंथ–

- भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिंदी भाषा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तान एकेडमी, इलाहाबाद।

Chairman Board

आधार ग्रंथ–

- भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी, किताब घर, नई दिल्ली।
- हिन्दी शब्दानुशासन : किशोरी दास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
- हिन्दी व्याकरण, कामता प्रसाद गुरू, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
- हिन्दी भाषा सरं चना के विविध आयाम, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधकृष्ण प्रकाशन,

सहायक ग्रंथ–

- भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेन् द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तान एकेडमी, इलाहाबाद।
- हिन्दी भाषा विज्ञान– डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना।

Skill Based Paper

पेपर का नाम – रचनात्मक लेखन

Code- BHIN0103SB-T

इकाई – 1 : रचनात्मक लेखन का परिचय

- रचनात्मक लेखन की परिभाषा एवं स्वरूप
- रचनात्मक लेखन के प्रकार
- कविता लेखन
- कहानी लेखन
- निबंध लेखन
- नाटक लेखन
- रचनात्मकता के तत्व
- कल्पना, भाव और भाषा शैली का महत्व
- साहित्य और रचनात्मक लेखन का संबंध

इकाई – 2 : कविता एवं कहानी लेखन कौशल

- कविता के प्रकार एवं संरचना
- अलंकार, छंद एवं बिंब प्रयोग
- कहानी लेखन की विधि
- कथानक, पात्र निर्माण एवं संवाद लेखन
- लघु कहानी लेखन अभ्यास
- समकालीन कविता और कहानी की प्रवृत्तियाँ

इकाई – 3 : निबंध एवं नाटक लेखन

- निबंध लेखन के प्रकार
- वर्णनात्मक निबंध
- विश्लेषणात्मक निबंध
- आलोचनात्मक निबंध
- नाटक लेखन की संरचना
- मंचन के लिए संवाद एवं दृश्य निर्माण
- पटकथा लेखन का परिचय
- रेडियो एवं टीवी स्क्रिप्ट लेखन

इकाई – 4 : मीडिया एवं डिजिटल रचनात्मक लेखन

- ब्लॉग लेखन
- फीचर लेखन
- विज्ञापन लेखन (Copy Writing)
- सोशल मीडिया लेखन कौशल
- पत्रकारिता में रचनात्मक लेखन
- डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए सामग्री निर्माण

इकाई – 5 : प्रायोगिक कार्य (Practical Work)

- कविता, कहानी या नाटक लेखन का प्रोजेक्ट
- ब्लॉग या फीचर लेखन तैयार करना
- स्क्रिप्ट या विज्ञापन लेखन अभ्यास
- रचनात्मक लेखन कार्यशाला एवं प्रस्तुति
- पोर्टफोलियो निर्माण

संदर्भ पुस्तकें (References)

1. रामचंद्र शुक्ल – हिंदी साहित्य का इतिहास
2. नामवर सिंह – साहित्य की पहचान
3. गुलाब राय – निबंध लेखन कला
4. William Strunk & E.B. White – The Elements of Style
5. Stephen King – On Writing
6. Linda Anderson – Creative Writing: A Workbook with Readings

SKill

BHIN0104SB-T

कार्यालीन हिन्दी और कम्प्यूटर

इकाई – 1 कार्यालयी हिंन्दी का स्वरूप, उद्देश्य एवं क्षेत्र :

कार्यलयी हिन्दी की संकल्पना

उद्देश्य एवं क्षेत्र

कार्यालयी हिन्दी में संभावनाएं

इकाई – 2 कार्यालयी हिन्दी में प्रयुक्त परिभाषिक शब्दावली :

शब्दावली निर्माण के सिद्धांत

कार्यालयी हिन्दी की परिभाषिक शब्दावली

कार्यालयों एवं अधिकारियों के पदनाम, संबंधेन आदि प्रशासनिक एवं विधिक शब्दावली

इकाई – 3 कार्यालयी हिन्दी प्रत्राचार

आवेदन पत्र

सरकारी पत्र

अर्द्ध सरकारी पत्र

कार्यालय आदेश

परिपत्र

अधिसूचना

कार्यालय ज्ञाप

विज्ञापन

निविदा

संकल्प

प्रेस विज्ञप्ति

इकाई – 4 प्रारूपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन एवं प्रतिवेदन :

प्रारूपण का अर्थ, सामान्य परिचय, प्रारूपण लेखन की पद्धति

टिप्पण का अर्थ, सामान्य परिचय, टिप्पण लेखन की पद्धति, टिप्पण औरटिप्पणी में अंतर

संक्षेपण का अर्थ, सामान्य परिचय, संक्षेपण की पद्धति

पल्लवन का अर्थ, सामान्य परिचय, पल्लवन के सिद्धांत, प्रतिवेदन का अर्थ, सामान्यपरिचय एवं प्रयोग

इकाई – 5 हिंदी भाषा और कम्प्यूटर का विकास क्रम : कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी :

कम्प्यूटर का सामान्य परिचय और इतिहास

- भारतीय लोकसाहित्य कोष–सुरेश गौतम।
- लोकसाहित्य विज्ञान–डॉ. सत्येन्द्र।

DSE VI (I)

प्रयोजन मूलक हिन्दी

BHIN0104DT

उददेश्य : इस प्रश्नप्रत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रयोजनमूलक हिन्दी के आशय, सिद्धांत प्रविधि, स्वरूप और उसकी विशेषताओं को जान सकेंगे। भाषा के विविध रूपों और उसकी उत्पत्ति का संक्षिप्त परिचय का बोध प्राप्त करने के साथ–साथ अपने जीवन में, सरकारी कार्यालयों में निबन्ध एवं पत्र लेखन का उपयोग जान करेंगे।

इकाई –1 प्रयोजनमूलक हिन्दी : आशय, सिद्धान्त, प्रविधि, स्वरूप एवं विशेषताएँ।

(15 व्याख्यान)

इकाई –2 भाषा के विविध रूप : राजभाषा, राष्ट्रभाषा, परिनिष्ठित भाषा, सम्पर्क भाषा।

भारतीय भारतीय भाषाओ ं की संवैधानिक स्थिति। (15 व्याख्यान)

इकाई –3 हिन्दी भाषा की उत्पत्ति, हिन्दी भाषा का सक्षिप्त परिचय।

हिन्दी की विशेषताए ं। (15 व्याख्यान)

इकाई – 4 सरकारी पत्राचार के प्रकारः सरकारी पत्र, अर्द्धसरकारी पत्र, कार्यालय ज्ञापन, परिपत्र, कार्यालय आदेश, राजपत्र, संकल्प अधिूसचना, अनुस्मारक, प्रतिवेदन।

(15 व्याख्यान)

इकाई – 5 सरकारी कार्यालयों में प्रयुक्त हिन्दी के प्रकार : सार लेखन या सक्ं ोपण, पल्लवन, टिप्पणी लेखन, निबंध लेखन। (15 व्याख्यान)

संदर्भ ग्रंथ

- नये जनसचं ार माध्यम और हिन्दी – सुधीश पचौरी
- अन्तरसांस्कृतिक सचांर – डॉ. मुक्तिनाथ – अर्चना शर्मा
- हिन्दी बेव साहित्य– डॉ. सनील कुमार लवटे
- प्रयोजनमूलक हिन्दी – सरं चना एवं अनुप्रयोग– डॉ. रामप्रकाश, डॉ. दिनेश गुप्त

पत्रकारिता का परिचय

(Introduction to Journalism)

Paper Code-BHIN0105SB-T

इकाई – 1 : पत्रकारिता का स्वरूप एवं विकास

- पत्रकारिता का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
- पत्रकारिता का इतिहास (भारत एवं विश्व)
- पत्रकारिता के उद्देश्य एवं महत्व
- प्रेस, मीडिया और जनसंचार का संबंध
- पत्रकारिता के प्रकार

इकाई – 2 : समाचार की मूल अवधारणा

- समाचार का अर्थ एवं परिभाषा
- समाचार के तत्व (5W और 1H सिद्धांत)
- समाचार के प्रकार
- समाचार मूल्य (News Values)

- समाचार स्रोत

इकाई – 3 : समाचार लेखन एवं रिपोर्टिंग

- समाचार लेखन की विधि
- उल्टा पिरामिड शैली (Inverted Pyramid Style)
- रिपोर्टिंग के प्रकार
- साक्षात्कार (Interview) की तकनीक
- रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया

इकाई – 4 : मीडिया के प्रकार एवं कार्य

- प्रिंट मीडिया (समाचार पत्र, पत्रिका)
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया (रेडियो एवं टीवी)
- डिजिटल एवं ऑनलाइन मीडिया
- सोशल मीडिया का पत्रकारिता में महत्व
- मीडिया की सामाजिक जिम्मेदारी

इकाई – 5 : प्रायोगिक कार्य

- समाचार लेखन अभ्यास
- साक्षात्कार तैयार करना
- रिपोर्ट लेखन
- समाचार संपादन का अभ्यास
- पत्रकारिता फाइल / प्रोजेक्ट कार्य

संदर्भ पुस्तकें (References)

1. ओम प्रकाश सिंह – पत्रकारिता के मूल तत्व
2. जे.पी. कुमार – पत्रकारिता के सिद्धांत
3. केवल जे. कुमार – Mass Communication in India
4. D.S. Mehta – Mass Communication and Journalism
5. M.V. Kamath – Professional Journalism

:

बीए डीएसी प्रयोजनमूलक हिंदी का सिलेबस

DSE

DSE

पेपर का नाम – प्रयोजनमूलक हिंदी

(Functional Hindi)

Paper Code-BHIN0101D-T

इकाई – 1 : प्रयोजनमूलक हिंदी का परिचय

- प्रयोजनमूलक हिंदी का अर्थ एवं स्वरूप
- प्रयोजनमूलक हिंदी की विशेषताएँ
- राजभाषा हिंदी का विकास
- हिंदी का प्रशासनिक एवं व्यावसायिक महत्व
- हिंदी के विभिन्न कार्यक्षेत्र

इकाई – 2 : कार्यालयीन हिंदी

- कार्यालयीन पत्राचार का स्वरूप
- पत्रों के प्रकार
- औपचारिक पत्र
- अर्द्ध-औपचारिक पत्र
- अनौपचारिक पत्र

- आवेदन पत्र एवं शिकायत पत्र लेखन
- कार्यालयीन टिप्पण एवं प्रतिवेदन लेखन
- नोटिंग एवं ड्राफ्टिंग

इकाई – 3 : अनुवाद एवं संपादन कौशल

- अनुवाद का अर्थ एवं महत्व
- अनुवाद की विधि एवं प्रकार
- अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद
- संपादन की मूल बातें
- प्रूफ रीडिंग के नियम

इकाई – 4 : मीडिया एवं व्यावसायिक हिंदी

- विज्ञापन लेखन
- समाचार लेखन
- रेडियो एवं टीवी के लिए लेखन
- डिजिटल एवं सोशल मीडिया लेखन
- जनसंपर्क एवं संचार में हिंदी

इकाई – 5 : प्रायोगिक कार्य

- कार्यालयीन पत्र लेखन अभ्यास
- अनुवाद कार्य
- विज्ञापन या समाचार लेखन
- रिपोर्ट एवं प्रतिवेदन तैयार करना
- परियोजना / फाइल कार्य

संदर्भ पुस्तकें (References)

1. डॉ. भोलानाथ तिवारी – प्रयोजनमूलक हिंदी
2. डॉ. हरिमोहन – कार्यालयीन हिंदी
3. डॉ. रमेशचंद्र मेहता – हिंदी अनुवाद सिद्धांत एवं प्रयोग
4. डॉ. राजेंद्र मिश्र – व्यावसायिक हिंदी
5. केंद्रीय हिंदी निदेशालय – राजभाषा हिंदी मार्गदर्शिका

पेपर का नाम – अस्मिता मूलक अध्ययन और हिंदी साहित्य

Paper code-BHIN0102D-T

इकाई – 1 : अस्मिता मूलक अध्ययन का परिचय

- अस्मिता का अर्थ एवं स्वरूप
- अस्मिता विमर्श की संकल्पना
- अस्मिता और समाज का संबंध
- हिंदी साहित्य में अस्मिता विमर्श का विकास
- अस्मिता अध्ययन के प्रमुख प्रकार
- स्त्री विमर्श
- दलित विमर्श
- आदिवासी विमर्श

इकाई – 2 : स्त्री विमर्श और हिंदी साहित्य

- स्त्री विमर्श की अवधारणा
- हिंदी साहित्य में स्त्री चेतना
- प्रमुख महिला लेखिकाएँ एवं उनकी रचनाएँ
- महादेवी वर्मा
- मन्नू भंडारी
- कृष्णा सोबती
- स्त्री अस्मिता और सामाजिक यथार्थ

इकाई – 3 : दलित विमर्श और हिंदी साहित्य

- दलित विमर्श की संकल्पना
- दलित साहित्य का विकास
- प्रमुख दलित साहित्यकार एवं उनकी रचनाएँ

- ओमप्रकाश वाल्मीकि
- शरण कुमार लिंबाले
- तुलसीराम
- दलित अस्मिता और सामाजिक संघर्ष

इकाई – 4 : आदिवासी विमर्श और हिंदी साहित्य

- आदिवासी विमर्श की अवधारणा
- आदिवासी जीवन और संस्कृति का साहित्य में चित्रण
- प्रमुख आदिवासी लेखकों का परिचय
- आदिवासी अस्मिता और समकालीन साहित्य

इकाई – 5 : समकालीन अस्मिता विमर्श

- वैश्वीकरण और अस्मिता प्रश्न
- बहुसांस्कृतिक समाज और साहित्य
- अस्मिता साहित्य की सामाजिक भूमिका
- प्रोजेक्ट / फाइल कार्य
- आलोचनात्मक अध्ययन

संदर्भ पुस्तकें (References)

1. ओमप्रकाश वाल्मीकि – जूठन
2. शरण कुमार लिंबाले – दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र
3. महादेवी वर्मा – श्रृंखला की कड़ियाँ
4. मन्नू भंडारी – आपका बंटी
5. नामवर सिंह – आलोचना के सिद्धांत
6. डॉ. कंवल भारती – दलित विमर्श

पेपर का नाम – कंप्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी का परिचय

Paper Code-NHIN0103D-T

इकाई – 1 : कंप्यूटर का परिचय

- कंप्यूटर का अर्थ एवं विकास
- कंप्यूटर के प्रकार
- हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर
- इनपुट एवं आउटपुट उपकरण

इकाई – 2 : ऑपरेटिंग सिस्टम एवं इंटरनेट

- ऑपरेटिंग सिस्टम का परिचय
- इंटरनेट का उपयोग
- ई-मेल एवं ऑनलाइन संचार
- साइबर सुरक्षा का परिचय

इकाई – 3 : ऑफिस ऑटोमेशन

- एम.एस. वर्ड का उपयोग
- एम.एस. एक्सेल का परिचय
- एम.एस. पावर पॉइंट प्रस्तुति
- दस्तावेज निर्माण एवं डेटा प्रबंधन

इकाई – 4 : डिजिटल तकनीक एवं ई-गवर्नेंस

- डिजिटल मीडिया का उपयोग
- ऑनलाइन सेवाएँ एवं ई-गवर्नेंस
- डिजिटल भुगतान प्रणाली

- सूचना प्रौद्योगिकी का सामाजिक प्रभाव

इकाई – 5 : प्रायोगिक कार्य

- दस्तावेज तैयार करना
- डेटा तालिका बनाना
- प्रस्तुति तैयार करना
- इंटरनेट आधारित प्रोजेक्ट कार्य

संदर्भ पुस्तकें

1. V. Rajaraman – Fundamentals of Computers
2. Peter Norton – Introduction to Computers
3. एम.पी. आईटी विभाग – डिजिटल साक्षरता मार्गदर्शिका

पेपर का नाम – संचार कौशल और व्यक्तित्व विकास

Paper Code- BHIN0104D-T

इकाई – 1 : संचार का परिचय

- संचार का अर्थ एवं महत्व
- संचार के प्रकार
- संचार की प्रक्रिया एवं तत्व
- प्रभावी संचार के सिद्धांत

इकाई – 2 : भाषा एवं प्रस्तुति कौशल

- मौखिक एवं लिखित संचार
- भाषण एवं प्रस्तुति कला
- समूह चर्चा (Group Discussion)
- साक्षात्कार कौशल

इकाई – 3 : व्यक्तित्व विकास

- व्यक्तित्व का अर्थ एवं प्रकार
- आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता
- समय प्रबंधन
- सकारात्मक सोच एवं व्यवहार

इकाई – 4 : व्यावसायिक संचार

- कार्यालयीन पत्राचार
- ई-मेल लेखन
- रिपोर्ट लेखन
- व्यावसायिक व्यवहार एवं शिष्टाचार

इकाई – 5 : प्रायोगिक कार्य

- भाषण एवं प्रस्तुति अभ्यास
- समूह चर्चा आयोजन
- साक्षात्कार अभ्यास
- प्रोजेक्ट / फाइल कार्य

संदर्भ पुस्तकें

1. केवल जे. कुमार – Communication Skills
2. संजीव भानावत – संचार कौशल
3. Dale Carnegie – Personality Development

पेपर का नाम – हिंदी गद्य

Paper code- BHIN0105D-T

इकाई – 1 : हिंदी गद्य का परिचय एवं विकास

- हिंदी गद्य का अर्थ, स्वरूप एवं विशेषताएँ
- हिंदी गद्य का इतिहास एवं विकास
- भारतेन्दु युग का गद्य साहित्य
- द्विवेदी युग एवं आधुनिक काल का गद्य
- हिंदी गद्य की प्रमुख विधाएँ

इकाई – 2 : निबंध एवं संस्मरण साहित्य

- निबंध का स्वरूप एवं प्रकार
- प्रमुख निबंधकार एवं उनकी रचनाएँ
- रामचंद्र शुक्ल
- हजारी प्रसाद द्विवेदी
- महादेवी वर्मा
- संस्मरण एवं आत्मकथा साहित्य का परिचय
- प्रमुख संस्मरण लेखकों का अध्ययन

इकाई – 3 : कहानी एवं उपन्यास साहित्य

- हिंदी कहानी का विकास
- प्रमुख कहानीकार एवं उनकी कहानियाँ

- प्रेमचंद
- जयशंकर प्रसाद
- मोहन राकेश
- हिंदी उपन्यास का विकास
- प्रमुख उपन्यासकारों का परिचय

इकाई – 4 : रेखाचित्र, यात्रा-वृत्तांत एवं अन्य गद्य विधाएँ

- रेखाचित्र का स्वरूप
- यात्रा-वृत्तांत लेखन
- रिपोर्टाज एवं डायरी लेखन
- आधुनिक गद्य की प्रवृत्तियाँ

इकाई – 5 : प्रायोगिक एवं आलोचनात्मक अध्ययन

- गद्य पाठ एवं व्याख्या
- गद्य समीक्षा लेखन
- निबंध या कहानी लेखन अभ्यास
- प्रोजेक्ट / फाइल कार्य

संदर्भ पुस्तकें (References)

1. डॉ. रामचंद्र शुक्ल – हिंदी साहित्य का इतिहास
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी – निबंध संग्रह
3. प्रेमचंद – मानसरोवर (कहानी संग्रह)
4. डॉ. नगेन्द्र – हिंदी गद्य साहित्य
5. नामवर सिंह – आलोचना के सिद्धांत

पेपर का नाम – पाश्चात्य काव्यशास्त्र

(Western Poetics)

Paper Code-BHIN0106D-T

इकाई – 1 : पाश्चात्य काव्यशास्त्र का परिचय

- पाश्चात्य काव्यशास्त्र का अर्थ एवं स्वरूप
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र का विकास
- यूनानी साहित्य एवं काव्यशास्त्र की परंपरा
- पाश्चात्य एवं भारतीय काव्यशास्त्र का तुलनात्मक परिचय

इकाई – 2 : प्लेटो एवं अरस्तू का काव्य सिद्धांत

- प्लेटो का काव्य संबंधी दृष्टिकोण
- अनुकरण (Mimesis) सिद्धांत
- अरस्तू का काव्य सिद्धांत
- विरेचन (Catharsis) सिद्धांत
- त्रासदी (Tragedy) की अवधारणा

इकाई – 3 : शास्त्रीय एवं नवशास्त्रीय काव्य सिद्धांत

- लॉन्गिनस का उदात्त (Sublime) सिद्धांत
- होरेस का काव्य दृष्टिकोण
- नवशास्त्रीय काव्यशास्त्र की विशेषताएँ
- ड्राइडन एवं पोप के काव्य सिद्धांत

इकाई – 4 : रोमांटिक एवं आधुनिक काव्य सिद्धांत

- वर्ड्सवर्थ का काव्य सिद्धांत
- कॉलरिज का कल्पना सिद्धांत
- मैथ्यू अर्नोल्ड का काव्य दृष्टिकोण
- टी.एस. एलियट का परंपरा एवं व्यक्तित्व सिद्धांत

इकाई – 5 : समकालीन काव्य सिद्धांत

- नई आलोचना (New Criticism)
- संरचनावाद (Structuralism)
- उत्तर-संरचनावाद (Post-Structuralism)
- नारीवादी एवं मार्क्सवादी आलोचना का परिचय

संदर्भ पुस्तकें (References)

1. डॉ. नगेन्द्र – पाश्चात्य काव्यशास्त्र
2. डॉ. नामवर सिंह – आलोचना के सिद्धांत
3. Aristotle – Poetics
4. Plato – Republic
5. M.H. Abrams – A Glossary of Literary Terms
6. David Daiches – Critical Approaches to Literature

पेपर का नाम – हिंदी नाटक और रंगमंच
Paper Code-BHIN0107D-T

इकाई – 1 : हिंदी नाटक का परिचय एवं विकास

- नाटक का अर्थ, स्वरूप एवं तत्व
- हिंदी नाटक का इतिहास एवं विकास
- भारतेन्दु युग का नाटक
- द्विवेदी युग एवं आधुनिक काल का नाटक
- हिंदी नाटक की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

इकाई – 2 : प्रमुख हिंदी नाटककार एवं उनके नाटक

- भारतेन्दु हरिश्चंद्र – *अंधेर नगरी*
- जयशंकर प्रसाद – *स्कंदगुप्त / ध्रुवस्वामिनी*
- मोहन राकेश – *आषाढ़ का एक दिन*
- धर्मवीर भारती – *अंधा युग*
- अन्य प्रमुख नाटककारों का परिचय

इकाई – 3 : रंगमंच का स्वरूप एवं तत्व

- रंगमंच का अर्थ एवं विकास
- रंगमंच के घटक
- अभिनय
- मंच सज्जा
- प्रकाश एवं ध्वनि व्यवस्था
- वेशभूषा एवं मेकअप
- निर्देशक एवं अभिनेता की भूमिका

इकाई – 4 : आधुनिक हिंदी रंगमंच

- भारतीय रंगमंच की परंपरा
- लोक रंगमंच एवं आधुनिक रंगमंच
- प्रयोगधर्मी रंगमंच
- रेडियो एवं टेलीविजन नाटक
- समकालीन रंगमंच की प्रवृत्तियाँ

इकाई – 5 : प्रायोगिक कार्य

- नाटक पाठ एवं प्रस्तुति

- संवाद लेखन अभ्यास
- मंचन की प्रक्रिया का अध्ययन
- नाटक समीक्षा लेखन
- प्रोजेक्ट / फाइल कार्य

संदर्भ पुस्तकें (References)

1. डॉ. रामचंद्र तिवारी – हिंदी नाटक का इतिहास
2. डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल – हिंदी नाटक और रंगमंच
3. भारतेन्दु हरिश्चंद्र – अंधेर नगरी
4. मोहन राकेश – आषाढ़ का एक दिन
5. जयशंकर प्रसाद – स्कंदगुप्त
6. धर्मवीर भारती – अंधा युग

पेपर का नाम – समकालीन हिंदी कविता

Paper Code-BHIN0108D-T

इकाई – 1 : समकालीन हिंदी कविता का परिचय

- समकालीन हिंदी कविता का अर्थ एवं स्वरूप
- समकालीन कविता का विकास एवं पृष्ठभूमि
- नई कविता, प्रयोगवाद एवं प्रगतिवाद का परिचय
- समकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक संदर्भ

इकाई – 2 : प्रमुख समकालीन कवि एवं उनकी कविताएँ

- अज्ञेय – चयनित कविताएँ
- केदारनाथ सिंह – चयनित कविताएँ
- धूमिल – चयनित कविताएँ
- नागार्जुन – चयनित कविताएँ
- कुंवर नारायण – चयनित कविताएँ

इकाई – 3 : समकालीन कविता की विषयवस्तु

- सामाजिक यथार्थ एवं जनजीवन
- स्त्री विमर्श एवं दलित विमर्श
- पर्यावरण एवं प्रकृति विषयक कविता
- मानवीय संवेदना एवं मूल्य
- वैश्वीकरण एवं आधुनिकता का प्रभाव

इकाई – 4 : काव्य शिल्प एवं भाषा शैली

- बिंब, प्रतीक एवं अलंकार प्रयोग
- मुक्त छंद एवं भाषा प्रयोग
- व्यंग्य एवं प्रतीकात्मक शैली
- कविता में अभिव्यक्ति की नवीन विधियाँ
- कविता शिक्षण की पद्धतियाँ

इकाई – 5 : प्रायोगिक एवं शिक्षण कार्य

- कविता पाठ एवं व्याख्या
- कविता शिक्षण योजना (Lesson Plan) बनाना
- कविता विश्लेषण एवं समीक्षा लेखन
- छात्रों में काव्य रचना कौशल विकसित करना
- प्रोजेक्ट / असाइनमेंट कार्य

संदर्भ पुस्तकें (References)

1. नामवर सिंह – नई कविता का आत्मसंघर्ष
2. अज्ञेय – चयनित कविताएँ
3. केदारनाथ सिंह – जमीन पक रही है
4. नागार्जुन – चयनित कविताएँ
5. रामविलास शर्मा – हिंदी कविता का विकास
6. एनसीईआरटी – हिंदी शिक्षण पद्धति